न्यूज डायरी

कौन चुनेगा अगला दलाई लामा? अमेरिका ने चीन को चेताया– बैन कर देंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अगले दलाई लामा कौन होंगे? इसपर राजनीति तेज हो गई है। अब अमेरिका ने चीन को चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने नए लामा की नियुक्ति में हस्तक्षेप किया तो ठीक नहीं होगा। मिली जानकारी के मुताबिक, अमेरिकी संसद ने एक बिल पास किया है। यह दलाई लामा की नियुक्ति में चीन के हस्तक्षेप के खिलाफ है। कहा गया है कि अगर चीन नहीं माना तो उसपर अमेरिका कई तरह से बैन लगाएगा। ये बैन किस तरह के होंगे यह नहीं बताया गया है।
चीन ने ऐसे संकेत दिए हैं कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी का चयन चीन ही करेगा। चीन की इन चालाकियों को देखते हुए दलाई लामा ने पहले ही संकेत दे दिए हैं कि परंपरा को तोड़ते हुए वह खुद अपने उत्तराधिकारी का चयन कर सकते हैं। अमेरिका पहले ही इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सामने रखने की मांग कर चुका है।

उत्तरी अफगानिस्तान में तालिबानी हमले में 10 पुलिस कर्मी मारे गए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। उत्तरी अफगानिस्तान में एक पुलिस चौकी पर तालिबान के हमले में कम से कम 10 पुलिस कर्मी मारे गए। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि वाशिंगटन और तालिबान के बीच जारी बातचीत के बावजूद देश में इस तरह के हमले जारी हैं। पुलिस के प्रांतीय प्रवक्ता अहमद जावेद बशरत ने बताया कि बागलान प्रांत के ख्वाजा अलवन जिले में मंगलवार तड़के कई हमले किए गए। उन्होंने 'एएफपी' से कहा, '' तालिबान ने पुलिस चौकी पर कई ओर से हमला किया। हमला कई घंटे तक चला। इसमें 10 पुलिसकर्मी मारे गए। उन्होंने बताया कि चौकी पर मदद के लिए भेजे गए पुलिस बल पर भी तालिबान ने घात लगाकर हमला किया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता नसरत रहीमी ने भी अफगानिस्तान के प्रसारणकर्ता 'टॉलोन्यूज' को मृतक संख्या की पुष्टि की है। वहीं तालिबान ने ट्विटर पर हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि हमले में एक कमांडर सहित 17 पुलिस कर्मी मारे गए। तालिबान और अफगानिस्तान दोनों को ही हमलों को बढ़ाकर–चढ़ाकर पेश करने की आदत है।

डॉनल्ड ट्रंप ने पेश किया मिडिल–ईस्ट प्लान, इजरायल ने बताया ऐतिहासिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच जारी लड़ाई को खत्म करने के लिए दो–राष्ट्र का समाधान दिया। उन्होंने मिडिल ईस्ट पीस प्लान में यरूशलम को इजरायल की अविभाजित राजधानी बनाने का प्रस्ताव रखा जिसे फिलिस्तीन ने सिरे से खारिज कर दिया। ट्रंप ने इस प्लान को ऐतिहासिक बताया और साथ ही संकेत दिए कि यह इस विवाद का श्आखिरी समाधानश है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू के साथ वाइट हाउस में ट्रंप ने दुनिया में सबसे लंबे समय से चले आ रहे विवादों में से एक के लिए दो–राष्ट्र का समाधान दिया। उन्होंने कहा कि इससे शांति आएगी और किसी इजरायली या फिलिस्तीनी को उनका घर नहीं छोड़ना होगा। ट्रंप न कहा कि यरूशलम इजरायल की अविभाजित राजधानी रहेगी जो बहुत अहम होगी।

करॉना वायरस बन सकता है वैश्विक महामारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग/नई दिल्ली। करॉना वायरस क्या वैश्विक महामारी के रूप में तब्दील होने की कगार पर है? यह आशंका तब जताई जाने लगी है जब यह विश्व की सबसे घनी आबादी वाले देश चीन के सभी राज्यों में फैल चुका है और यहां से जा रहे यात्रियों के माध्यम से दूसरे देशों में इसने दस्तक दे दी है। अकेले चीन में करॉना ने 100 से ज्यादा जिंदगियां लील ली हैं और 4515 लोग इसके प्रभाव में हैं। वहीं,अब तक जर्मनी, फ्रांस, साउथ कोरिया, जापान, नेपाल, थाइलैंड, ताइवान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, सिंगापुर और वियतनाम ने अपने देशों में करॉना के केस की पुष्टि हो चुकी है। जबकि भारत और पाकिस्तान सहित कई देश जहां इसकी पुष्टि नहीं हुई है वे चीन से आने वाले यात्रियों की विशेष निगरानी कर रहे हैं।

डॉनल्ड ट्रंप के खिलाफ आरोप राजनीतिक रूप से प्रेरित

आरोप

ट्रंप के वकील ने कहा, महाभियोग के आरोप किसी भी संवैधानिक मानक को पूरा नहीं करते

बचाव दल का नेतृत्व करने वाले वाइट हाउस के वकील पैट सिपोलोन ने दलील पेश की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग में चल रही सुनवाई में डॉनल्ड ट्रंप का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने कहा कि राष्ट्रपति के खिलाफ सत्ता के दुरुपयोग संबंधी लगाए गए आरोप राजनीतिक रूप से प्रेरित हैं। बचाव पक्ष के वकीलों ने अपनी शुरुआती दलीलें पूरी कर ली हैं। ट्रंप के बचाव दल का नेतृत्व करने वाले वाइट हाउस के वकील पैट सिपोलोन ने दलील पेश की।

बचाव पक्ष की दलील, ट्रंप पर आरोप राजनीति से प्रेरितः पैट सिपिलोन ने कहा, 'महाभियोग के आरोप किसी भी संवैधानिक मानक को पूरा नहीं करते। वे आपको जो करने के लिए कह रहे हैं वह... एक सफल राष्ट्रपति को चुनाव से ठीक पहले बिना किसी आधार के और संविधान का उल्लंघन कर पद से हटा देना है।'

सीनेट से ट्रम्प को सत्ता के दुरुपयोग संबंधी आरोप से बरी करने का आग्रह किया। वाइट हाउस के वकील ने तर्क दिया कि पिछले चुनाव के नतीजे को पलट देना और आगामी चुनाव में व्यापक रूप से हस्तक्षेप करना अमेरिका के लोगों के लिए गंभीर और बहुत बड़ा नुकसान होगा।

सीनेट में हो रही है महाभियोग की सुनवाईः उन्होंने सीनेट में अपनी समापन टिप्पणी में कहा 'सीनेट ऐसा नहीं कर सकती। अब इसके खत्म होने का समय आ चुका है। सीनेट में ट्रंप के खिलाफ महाभियोग मामले में सुनवाई हो रही है। प्रतिनिधि सभा ने पिछले महीने इस मामले को सीनेट में भेजने के पक्ष में मतदान किया था। अमेरिका के इतिहास में तीसरी बार किसी राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग का मामला चलाया जा रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति पर भ्रष्टाचार की जांच का बनाया दबावः ट्रंप पर आरोप हैं कि उन्होंने यूक्रेन पर 2020 में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रैटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवार जो बाइडेन और उनके बेटे के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच के लिए दबाव बनाया। बाइडेन के बेटे यूक्रेन की एक ऊर्जा कंपनी में अधिकारी हैं। महाभियोग प्रक्रिया के तहत ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमिर जेलेंस्की के बीच फोन पर हुई बातचीत की जांच की गई। डेमोक्रैटिक पार्टी के नियंत्रण वाली न्यायिक समिति ने औपचारिक आरोप तय किए।

पाकिस्तान में खालिस्तान समर्थक शीर्ष आतंकी की गोली मारकर हत्या: सूत्र

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लाहौर। भारत में वांछित एक शीर्ष खालिस्तान समर्थक आतंकी की वाघा बॉर्डर के पास गुरुद्वारे के बाहर दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) से जुड़े हरमीत सिंह उर्फ 'हैप्पी पीएचडी' की सोमवार को लाहौर के बाहरी इलाके में डेरा चहल गुरुद्वारे के निकट हत्या कर दी गई।

अमृतसर का रहने वाला सिंह कथित तौर पर पंजाब में 2016–17 में आरएसएस नेताओं की हत्या में शामिल था और वह खालिस्तान से संबंधित उन आठ आतंकवादियों में शामिल था जिनके खिलाफ इंटरपोल ने पिछले साल 'रेड नोटिस' जारी किए थे। सूत्र ने पीटीआई को बताया कि सिंह की हत्या के सिलसिले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। एक सूत्र ने बताया, हमसे मामले की तफ्तीश नहीं करने को कहा गया है। इसलिए हरमीत सिंह की हत्या के सिलसिले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

कानूनी एजेंसियों ने बुर्की में गुरुद्वारे के पास इलाके की घेराबंदी कर दी और पत्रकारों समेत किसी को भी वहां जाने की इजाजत नहीं है। सूत्र ने कहा कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिये लाहौर के किसी भी मुर्दाघर नहीं ले जाया गया है।

जमैका के पास कैरिबियाई सागर में 7.7 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मियामी। जमैका के नजदीक कैरिबियाई सागर में 7.7 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने इसकी जानकारी दी। भूकंप के कारण क्षेत्र में सुनामी आने का खतरा है। अमेरिकी एजेंसी ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार मंगलवार दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर जमैका के ल्यूसिया से उत्तर–पश्चिम में 125 किमी की दूरी पर 10 किमी की गहराई में आया। सुनामी की भयंकर लहरें उठने की आशंका भूकंप में किसी के हताहत होने की अभी कोई खबर नहीं है।

करॉना वायरस से चीन में मरनेवालों की संख्या 132 हुई, 6000 लोग संक्रमित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■भारत ने छात्रों को निकालने के लिए मांगी मदद

पेइचिंग। चीन में घातक करॉना वायरस का कहर इस कदर बढ़ता जा रहा है कि इससे 25 और लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। वायरस से मरनेवालों की संख्या बढ़कर 132 हो गई है। इस बीच भारत सरकार ने वायरस के खतरे को देखते हुए चीन से मदद मांगी है। करीब 6,000 लोगों के इसकी चपेट में आने की भी पुष्टि की गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि वायरस संक्रमण अगले 10 दिन में चरम पर पहुंच जाएगा। इस कारण से मृतकों की संख्या में काफी इजाफा होगा।

भारत सरकार ने छात्रों को निकालने में चीन से मांगी मदद इस वक्त चीन खुद वायरस संक्रमण को रोकने के लिए युद्ध स्तर पर संघर्ष कर रहा है। इस बीच भारत सरकार ने वुहान में फंसे भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने के लिए पेइचिंग से औपचारिक अनुरोध किया है। केंद्र सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि पेइचिंग दूतावास लगातार भारतीय छात्रों के संपर्क में बना है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने छात्रों को निकालने के लिए सभी जरूरी तैयारी कर ली है।

132 लोगों की वायरस के कारण मौतः चीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि वायरस संक्रमण के 5,974 मामलों की पुष्टि हो गई और वायरस की वजह से होनेवाले न्यूमोनिया के 31 नए मामले मंगलवार तक सामने आए थे। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार अभी तक कुल 132 लोग इस वायरस के कारण मारे गए हैं। समाचार एजेंसी की ओर से जारी सूचना में कहा कि मंगलवार तक हुबेई प्रांत में करॉना वायरस के कारण 125 लोगों की मौत हो गई और 3,554 मामलों की पुष्टि हुई थी।

2002-03 में भी चीन ने झेला था वायरस प्रकोपः एजेंसी ने बताया कि करॉना वायरस से पीड़ितों लोगों में से 1,239 की हालत गंभीर है और चीन में इसके 9,239 संभावित मामले सामने आए हैं।

मलेशिया की नाराजगी दूर करने को अगले सप्ताह मलेशिया जाएंगे इमरान खान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान मलेशिया की कथित नाराजगी दूर करने के लिए अगले सप्ताह कुआलालंपुर की यात्रा करेंगे। खान ने सऊदी अरब के कथित दबाव में मुस्लिम देशों के एक बड़े सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया था। यह जानकारी बुधवार को मीडिया की एक खबर में दी गई। खान ने 19 से 21 दिसम्बर को मलेशिया के प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद द्वारा आयोजित उक्त सम्मेलन में हिस्सा लेने की पुष्टि की थी लेकिन आखिरी समय में सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के दबाव के चलते इसमें शामिल नहीं हुए थे।

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात आर्थिक मुश्किलों का सामना कर रहे पाकिस्तान के प्रमुख वित्तीय मददगार हैं। सऊदी अरब ने कुआलालंपुर में आयोजित सम्मेलन को मुस्लिम जगत में एक नया ब्लाक बनाने के एक प्रयास के दौर पर देखा था जो अब सामान्य तरीके से संचालित नहीं हो रहे आर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोआपरेशन (ओआईसी) का एक विकल्प बन सकता है।